शरीर जल गया लेकिन राख से उठ रहे कई सवाल

हमीदिया अस्पताल के मुख्य गेट से चंद कदम की दूरी पर बन रही पानी की निर्माणाधीन टंकी से गिरकर शुक्रवार को एक मजदूर मुकेश (22) की मौत हो गई। वह सागर के पास खमरिया गांव का रहने वाला था और अकेला रहता था। मरने वाला गरीब है और उसका इस शहर में कोई नहीं है।बस यह दो समीकरण जिम्मेदारों के लिए काफी हैं। ऐसे में मौत के चंद घंटों में यह तय हो गया कि उसकी मौत का निर्माण कार्य से कोई सम्बंध नहीं है और इस मौत के लिए निर्माण कराने वाली एजेंसी से लेकर ठेकेदार तक कोई जिम्मेदार नहीं है। लेकिन मरने वाले की तरफ से सवाल कौन उठाएगा। सवाल उठाने और मजदूरों की हितों की रक्षा के लिए कईयों जिम्मेदार तैनात है फिर भी इस मौत से उठ रहे गंभीर सवालों को कोई पूछना नहीं चाहता। एक्सपोज ने ऐसे सवालों को देखने और उनके जवाब ढूंढने की कोशिश की जिनसे जिम्मेदार बच रहे हैं क्योंकि ठंडी पड़ती मजदूर के शरीर की राख में सवाल बनकर अगर हवा लगी तो बहुत चिंगारियां उड़ेगी जिससे कई सफेदपोशों के दामन तक जल सकते हैं।

विस्तृत पढ़े... पेज 3